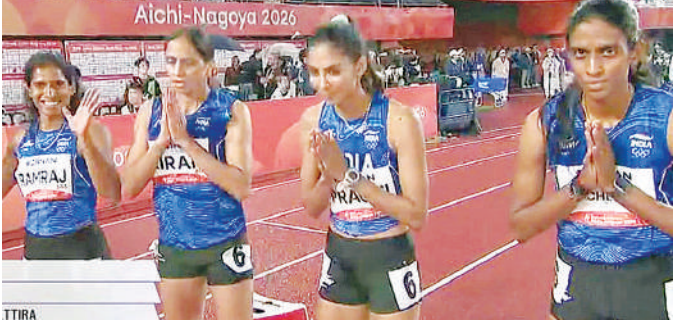


एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड की बारिश, रिकॉर्ड की झड़ी

4 गुणा400 में सोना, नीरू का ऐतिहासिक निशाना, गुलवीर की मेडल हैट्रिक

नागोया, जापान, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने मंगलवार को ट्रैक और शूटिंग रेंज पर शानदार प्रदर्शन किया। महिला 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण जीतकर भारत ने छह गोल्ड पूरे किए। इससे पहले निशानेबाज नीरू ढांडा ने महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में कांस्य जीतकर एक ही एशियाड में तीन व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बनने की उपलब्धि हासिल की। पुरुष 4×400 मीटर और मिश्रित 4×100 मीटर रिले में भी भारत ने कांस्य पदक जीते।

महिला 4×400 मीटर रिले में किरण, मचेतिरा पूव्मा, प्राची और विथ्या रामराज ने 3२29.69 सेकेंड में रैस पूरी की। बहरीन को रजत और चीन को कांस्य मिला। इस स्वर्ण के साथ भारत ने एशियन गेम्स में लगातार छठी बार 50 या उससे अधिक पदक हासिल करने का सिलसिला कायम रखा। 2006 के बाद से भारत हर एशियाड में 50



से ज्यादा पदक जीत चुका है।

शूटिंग में नीरू ढांडा ने 30 में से 28 निशाने सटीक लगाकर व्यक्तिगत ट्रैप में स्वर्ण जीता। चीन की यूनॉन सुन को रजत मिला। नीरू इस स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। 1990 में एशियन गेम्स में शामिल हुई इस स्पर्धा में भारत को 36 साल तक कोई पदक नहीं मिला था। नीरू ने इस लंबे इंतजार को



खत्म करते हुए सीधे

स्वर्ण पदक जीता। करीब 10 दिन पहले फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनका यह प्रदर्शन खास रहा। इससे पहले वह टीम ट्रैप में रजत जीत चुकी है।गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में 13३2.75 सेकेंड के समय के साथ कांस्य जीता। बहरीन के बिरहानु बालेव ने स्वर्ण और जापान के तोमोनोरी यामागुची ने रजत हासिल किया। गुलवीर ने इससे पहले 10,000 और

1500 मीटर में रजत पदक जीते थे। इस तरह उनके खाते में तीन व्यक्तिगत पदक हो गए।पुरुष 4×400 मीटर रिले में भारत ने 3२01.61 का सीजन बेस्ट समय निकालकर कांस्य जीता। जापान और कतर ने स्वर्ण और रजत हासिल किया। 4×100 मीटर मिश्रित रिले में भी भारत को कांस्य मिला। मंगलवार की उपलब्धियों ने भारतीय एथलेटिक्स और निशानेबाजी अभियान को खास बना दिया।

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला
असम राइफल्स का जवान शहीद
4 घायल; गश्त के दौरान फायरिंग

इटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सकल में सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है। शुरुआती जांच और खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि घात लगाकर किए गए हमले के लिए (नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का युंग आंग गुट) के उग्रवादी जिम्मेदार हैं। हमले के बाद, भारतीय सेना और जिला पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और भाग रहे उग्रवादियों को पकड़ने के लिए आस-पास के जंगलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। पूर्वोत्तर सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा एजेंसियों को हार्ड अलर्ट पर रखा गया है।अधिकारी ने कहा कि घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सख्त अभियान तेज कर दिया है।चांगलांग के एसपी किली पाडु ने कहा कि उन्हें घटना के बारे में जानकारी मिली है और उन्होंने चांगलांग पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को विवरण इकट्ठा करने का निर्देश दिया है।



हमला NSCN-K-YA गुट ने किया

शुरुआती जांच और खुफिया रिपोर्ट से पता चलता है कि घात लगाकर किए गए हमले के लिए NSCN-K-YA (नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का युंग आंग गुट) के उग्रवादी जिम्मेदार हैं।हमले के बाद, भारतीय सेना और जिला पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और भाग रहे उग्रवादियों को पकड़ने के लिए आस-पास के जंगलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

विजयवाड़ा में महिला की हत्या कर शव के टुकड़े नहर में फेंके

विजयवाड़ा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में एक महिला की हत्या के बाद शव के टुकड़े कर नहर में फेंकने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, पैसें को लेकर हुए विवाद में एक कसाई ने अपनी परिचित महिला की कथित तौर पर हत्या कर दी। इसके बाद शव को कई हिस्सों में काटकर नहर में फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले में दो सदिग्धों से पूछताछ शुरू की है। मृतका की पहचान कल्याणी के रूप में हुई है। पुलिस को इब्राहिमपट्टनम इलाके में एक अज्ञात महिला का शव मिला था। सोशल मीडिया पर शव की जानकारी सामने आने के बाद परिजनों ने उसके हथ पर बने टैटू के आधार पर पहचान की। इसके बाद पुलिस ने हत्या की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस का शक भवानीपुरम में गटन की दुकान चलाने वाले शर्मा पर गया। पुलिस के अनुसार, शर्मा और कल्याणी एक-दूसरे को जानते थे और दोनों के बीच पैसें को लेकर विवाद चल रहा था। कल्याणी के बेटे से जुड़े पुराने विवाद को भी पुलिस जांच का हिस्सा बना रही है।

देश में 20 हजार करोड़ के ट्रैफिक चालान बकाया



सुप्रीम कोर्ट का सुझाव- बिजली बिल में जोड़कर वसूली करें भुगतान नहीं तो कनेक्शन काटें

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ट्रैफिक ई-चालान की कमीका वसूली पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कस कि निर्णय पालन जारी करना काफी नहीं, गुनाहना वसूलना भी जरूरी है। बकाया चालान बिजली बिल में जोड़ने का तरीका निकालें। बिजली बिल नहीं चुकाया तो कनेक्शन काटेंगा। कोर्ट को बताया गया कि राज्यों-केन्द्राश्रित प्रदेशों में करीब 45 हजार करोड़ के ई-चालान हुए, इनमें 25 हजार करोड़ वसूले गए हैं जबकि 20 हजार करोड़ के चालान बकाया हैं। जस्टिस जेबी पाटीवाल और केवी विश्वनाथन की बेच ने कस कि बकाया चालान वाले वाहन को परिवहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था पर विचार हो। भुगतान तक आरसी नवीनीकरण, डुप्लीकेट आरसी और वाहन का मालिकाना हक ट्रांसफर रोका जा सकता है। कोर्ट ने कस कि फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र भी न दिए जाएं। इंडिया लाइसेंस का नवीनीकरण रोकने या मौजूदा लाइसेंस निलंबित करने पर भी विचार हो।

Supreme Court में चुनाव आयोग विवाद की सुनवाई अगले हफ्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसले लेने के तरीके को लेकर चल रहा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाद नई याचिका को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सुवीबद्ध करने पर सहमति जताई है। मामले को मंगलवार को वरिष्ठ अधिका का विकास सिंह ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मौखिक किया। याचिका में मुख्य सवाल यह उठाया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त अकेले चुनाव आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ऐसे फैसले ले सकते हैं,

2047 तक विकसित भारत के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार जरूरी : फडणवीस

मुंबई, यश भारत। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को बदलती औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है।

मुंबई में मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार महकुंभ के उद्घाटन अवसर पर फडणवीस ने कहा कि सरकार का प्रयास युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराने का है। रोजगार महकुंभ के माध्यम से युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों को एक



मुंबई, यश भारत। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) देश के प्रमुख आवासीय

18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नियम बनाने पर विचार करे सरकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से 18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर कानूनी और नियामकीय व्यवस्था बनाने पर विचार करने को कहा है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्मस को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा, भले ही वे विदेश में पंजीकृत हों।

कोर्ट की टिप्पणी थी कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्था केवल दिशानिर्देशों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे वैधानिक रूप देने पर विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने 'जस्ट वाइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस' की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। सुनवाई के दौरान सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता ने माता-पिता की सहमति के आधार पर सोशल मीडिया अकाउंट की व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने सूचना



प्रायोगिकी अधिनियम की धारा 79 का भी उल्लेख किया और कहा कि यह मुद्दा डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के दायरे में आ सकता है। याचिका में बच्चों को ऑनलाइन रूग्मिंग, यौन शोषण, सेक्सट्रॉशन डिजिटल तस्करी, साइबरबुलिंग और निजी डेटा के दुरुपयोग जैसे खतरों से बचाने की मांग की गई है। हालांकि, फिलहाल 18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर कोई देशव्यापी प्रतिबंध

आवास बिक्री में एमएमआर देश में सबसे आगे तीसरी तिमाही में बिके 31,750 घर

मुंबई, यश भारत। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) देश के प्रमुख आवासीय

मंच पर लाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल शैक्षणिक डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को उद्योगों की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षित करना जरूरी है। इससे रोजगार पाने के साथ ही उद्योगों को कुशल मानव संसाधन उपलब्ध होगा।रोजगार महकुंभ में विभिन्न जिलों से कंपनियों और नियोक्ताओं की भागीदारी हो रही है। इसके माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बीच मजबूत तालमेल स्थापित कर महाराष्ट्र देश के विकसित भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।



इकाइयों की कीमत 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा रही।रिपोर्ट के मुताबिक, त्योहारी मौसम के दौरान आवासीय मांग में और तेजी आने की संभावना है।

गोल्डी बराड़ FBI की मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में शामिल, 10 लाख डॉलर तक का इनाम



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने भारतीय मूल के गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी 10 मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में शामिल किया है। FBI ने गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले व्यक्ति को 10 लाख डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, गोल्डी बराड़ पर लॉरेस बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम रूप से कथित रूप से जुड़े होने का आरोप है। FBI का कहना है कि यह गिराई दक्षिणी कैलिफोर्निया के अलावा अमेरिका और कनाडा में

विभिन्न हिंसक गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल रहा है। FBI के मुताबिक गोल्डी बराड़ पर राजनीतिक और धार्मिक हतियारों की हत्या, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, मारपीट तथा मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी से जुड़े आरोप हैं। उसे हथियारबंद और खतरनाक भगोड़ा बताया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार वह उत्तरी अमेरिका में इस नेटवर्क का कथित नेतृत्व करता है।

1 जुलाई को जारी हुआ था फेडरल वारंट

गोल्डी बराड़ के खिलाफ 1 जुलाई को यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, सेट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया ने गिरफ्तारी का फेडरल वारंट जारी किया गया था। उस पर टैरेटियर इन्फ्लुएंज एंड करंट ऑर्गनाइजेशन (RICO) साजिश, जब्त वसूली के जटिल कारोबार में दखल देने की साजिश और प्रतिबंधित पदार्थों के वितरण से संबंधित आरोप लगाए गए हैं।

केंसर दवा 2700 की, एमआरपी 27 हजार कैसे?

सुको ने कहा- यह नरसंहार जैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के इलाज में दवाओं की आसमान छूती कीमतों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ी आवाजी जताई। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने केन्द्र सरकार से सवाल किया कि जिस कैंसर की दवा की कीमत करीब 2700 रुपए है, उस पर 27 हजार रुपए की कीमत कैसे लिखी जा सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दवाओं की कीमतों में इस तरह के अंतर को लेकर बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे "नरसंहार" जैसा बताया।दवाओं की कीमत और जेनेरिक दवाओं से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी पूछ कि सरकारी योजनाओं के तहत इलाज करा रहे मरीजों को जब महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं तो इस अतिरिक्त खर्च का भार आखिर कौन उठाता है। कोर्ट ने कहा कि अंततः इसका बोझ सरकारी खजाने और टैक्सपेयर्स पर पड़ता है।

कल्याण, ठाणे और मुंबई में बारिश की तेज बौछारें, कल भी बरसने के आसार

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बारिश का जोर कम हुआ है। मंगलवार को कोकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। कुछ दिनों के विराम के बाद कल्याण-डोंबिवली, ठाणे और मुंबई में एक बार फिर बारिश हुई, जिससे मौसम में ठंडक महसूस की गई।

कल्याण में सुबह से ही बदल छाप हुए थे। शाम को अचानक बारिश शुरू होने से काम से घर लौट रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश से पहले तेज हवाएं चलने के कारण भी नागरिकों और वाहन चालकों को दिक्कत हुई।कल्याण, ठाणे, मुंबई, नासिक के घाट क्षेत्र, रायगढ़, रत्नागिरी, पुणे, सातारा, कोल्हापुर, सांगली, शाहपुर, नगर और सोलापुर में कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, इन क्षेत्रों में बुधवार को भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में कोई कम दबाव का क्षेत्र नहीं बना है। इसलिए



पूरे राज्य में व्यापक बारिश की संभावना नहीं है। अगले दो दिनों में पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के

साथ बारिश हो सकती है। हालांकि, अगले पांच दिनों में राज्य में भारी और व्यापक बारिश की संभावना नहीं है।

संपादकीय

बच्चों के हाथ में मोबाइल बढ़ा तो बचपन हुआ डिजिटल कैद

अभिभावकों की जागरूकता से ही मोबाइल की लत पर लग सकता है अंकुश

आज के समय में मोबाइल फोन जीवन की आवश्यकता बन चुका है। पढ़ाई, जानकारी, संवाद और मनोरंजन से लेकर अनेक जरूरी काम स्मार्टफोन के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। लेकिन जब यही सुविधा बच्चों की आदत और फिर लत में बदलने लगे तो यह चिंता का विषय बन जाता है। देश में बच्चों और किशोरों के बीच स्मार्टफोन का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसने अभिभावकों और समाज के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खासकर 10 से 19 वर्ष की उम्र के बच्चे डिजिटल दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में 15 से 19 वर्ष के करीब 49 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे थे, जो 2023 तक बढ़कर 91

प्रतिशत से अधिक हो गया। यानी तीन वर्ष में उपयोग में लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

बच्चों में स्मार्टफोन की पहुंच केवल किशोरों तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 8 से 18 वर्ष की उम्र के करीब 30 प्रतिशत बच्चों के पास अपना व्यक्तिगत फोन है, जबकि 62 प्रतिशत बच्चे माता-पिता के फोन का इस्तेमाल करते हैं। वर्ष 2026 की शुरुआत तक 10 से 14 वर्ष की उम्र के लगभग 83 प्रतिशत बच्चों की स्मार्टफोन तक पहुंच बताई गई है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत से भी अधिक है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि मोबाइल केवल बच्चों के हाथ में पहुंचने वाली तकनीक नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल उनके व्यवहार, सोच, पढ़ाई, सामाजिक संबंध और सुरक्षा को भी प्रभावित कर सकता है।

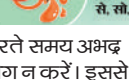
बच्चों को मोबाइल देने की शुरुआत अक्सर बहुत सामान्य कारणों से होती है। बच्चा खाना नहीं खा रहा हो, जिद कर रहा हो, रो रहा हो या शरारत कर रहा हो तो उसे शांत करने के लिए मोबाइल हाथ में थमा दिया जाता है। धीरे-धीरे बच्चा मोबाइल को मनोरंजन का सबसे आसान साधन मानने लगता है। माता-पिता भी व्यस्तता के कारण कई बार इस आदत पर तत्काल ध्यान नहीं देते। बच्चे की जिद पूरी करना उस समय आसान समाधान दिखाई देता है, लेकिन यही सुविधा आगे चलकर आदत का रूप ले सकती है। जब बच्चा हर खाली समय मोबाइल पर बिताने लगे और मोबाइल न मिलने पर बेचैनी दिखाए तो अभिभावकों को इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए।

मोबाइल और इंटरनेट का सही इस्तेमाल बच्चों के लिए ज्ञान और सीखने का माध्यम बन सकता है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन का उपयोग जरूरत से अधिक होने लगे। कई बच्चे प्रतिदिन सात से दस घंटे तक स्क्रीन के सामने समय बिताने लगे हैं। इससे पढ़ाई के लिए मिलने वाला समय प्रभावित होता है और खेलकूद, परिवार के साथ बातचीत तथा सामाजिक गतिविधियों के लिए समय कम हो जाता है। लगातार स्क्रीन पर रहने की आदत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकती है। मोबाइल पर मिलने वाला लगातार मनोरंजन उन्हें सामान्य गतिविधियों में कम रुचि लेने के लिए भी प्रेरित कर सकता है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का पहलू इससे भी अधिक गंभीर है। इंटरनेट की दुनिया में अच्छी सामग्री के साथ ऐसी सामग्री भी मौजूद है जो बच्चों के लिए अनुपयुक्त और नुकसानदेह हो सकती है।

(लेखक-कातिलाल मांडोट)

कड़वे वचन

दूध उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो उस पर ढंढा पानी डाल दो या फिर गैस बंद कर दो । ठीक इसी तरह सामने वाला अगर क्रोध में उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो आप चुप हो जाइये या फिर वहां से हट जाइये । जहां दूसरों को समझाना मुश्किल हो जाए वहां खुद को समझा लेना ही बेहतर है । चुप्पी कई सवालों का जवाब हुआ करती है । कुछ सवालों का जवाब चुप्पी से देना सीखो ।

 आज का राशिफल	
पंचांग:- 30 सितंबर 2026 दिन-बुधवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	 ज्योतिषाचार्य षडित लोकेश व्यास
मेष  धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकृत मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।	वृष  घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें
मिथुन  रुप-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने का आशंका है	कर्क  व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा
सिंह  साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अधीरटी मिल सकती है।	कन्या  घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे
तुला  आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उलम दिनचर्या रखें।	वृश्चिक  सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।
धनु  दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारु रूप से होते जाएंगे	मकर  अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे
कुंभ  बातचीत करते समय अहद भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।	मीन  व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

विचार प्रवाह

गाद की सफाई नहीं, नदी का संतुलन जरूरी

नदी में गाद दिखते ही हमारी नजर नदी पर नहीं, गाद पर टिक जाती है। हमें लगता है कि नदी का तल भर गया है, इसलिए पानी रुक रहा है; गाद निकाल देंगे तो नदी गहरी हो जाएगी और बाढ़ का संकट कम हो जाएगा। लेकिन नदी इतनी सरल गणित नहीं है। जिस गाद को हम नदी की समस्या कह रहे हैं, वही गाद नदी के स्वभाव और उसकी यात्रा का हिस्सा भी है।

तो फिर सवाल यह है कि समस्या गाद है या गाद का असंतुलित जमाव? यदि गाद निकालना ही समाधान है तो हर बरसात के बाद नदी फिर क्यों भर जाती है? और यदि गाद नदी के साथ चलने वाली प्राकृतिक तलछट है तो उसे हटाने से पहले यह कौन तय करेगा कि कहाँ से कितनी गाद निकालनी है और कहाँ उसे नदी के साथ बहने देना है?

बिहार में गंगा और उसकी सहायक नदियों को लेकर यह सवाल अब केवल बाढ़ के मौसम का नहीं रह गया है। यह नदी-विज्ञान, जल-प्रबंधन, पर्यावरण और विकास की दिशा का सवाल है। वर्षों से गाद निकालने की मांग उठती रही है। सरकारों ने समितियां बनाईं, विशेषज्ञों ने अध्ययन किए और न्यायिक संस्थाओं के स्तर पर पर्यावरणीय सवाल उठे। फिर भी बहस बार-बार उसी जगह लौट आती है—गाद निकालें या नहीं? असल सवाल इससे आगे का है—गाद क्यों जमा हो रही है और नदी का संतुलन कैसे कायम रखा जाए?

15 सितंबर 2026 को बिहार मंत्रिमंडल ने ‘बिहार जलस्रोत पुनर्स्थापन एवं गाद प्रबंधन नीति, 2026’ को मंजूरी दी। नीति में नदियों, बराजों और जलाशयों से गाद निकालकर उनकी जलधारण और जलवहन क्षमता बहाल करने तथा निकाली गई गाद का सड़क, रेल, सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा और निर्माण कार्यों में उपयोग करने की बात कही गई है।

नीति की जरूरत समझी जा सकती है, लेकिन इसकी सफलता मशीनों से निकलने वाली गाद की मात्रा से नहीं मापी जानी चाहिए। कसौटी यह होनी चाहिए कि गाद निकालने के बाद नदी का व्यवहार क्या बदला? क्या बाढ़ का पानी बेहतर ढंग से निकला? क्या कहीं दूसरे हिस्से में कटाव बढ़ा? क्या तलछट फिर उसी स्थान पर जमा हुई? क्या जलीय जीवन प्रभावित हुआ?

इन सवालों का महत्व इसलिए भी है कि गाद पर बनी पुरानी समितियां हमें पहले ही चेतावनी दे चुकी हैं।

2001 में पूर्व केंद्रीय जल आयोग अध्यक्ष डॉ. बी.के. मि्तल की अध्यक्षता में बनी समिति ने गाा जमाव और बाढ़ के संबंधों की पड़ताल की थी। सरकारी अभिलेखों में दर्ज निष्कर्षों के अनुसार बड़ी नदियों में व्यापक स्तर पर गाद निकासी को सामान्य और आर्थिक रूप से व्यवहार्य समाधान नहीं माना गया। हालांकि विशेष परिस्थितियों वाले कुछ हिस्सों में तकनीकी और आर्थिक अध्ययन के बाद लक्षित गाद निकासी की संभावना स्वीकार की गई।

2016 में केंद्र ने माधव चितले समिति का गठन गंगा में भीमगौड़ा से फरक्का तक गाद प्रबंधन और ड्रेजिंग के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के उद्देश्य से किया। समिति ने नदी के प्रत्येक हिस्से की अलग प्रकृति को समझने पर जोर दिया। तलछट का आवागमन, जमाव, नदी-तल की स्थिति और वार्षिक तलछट बजट जैसे



पहलू इसके केंद्र में रहे।

दोनों समितियों का संकेत स्पष्ट था—पूरी नदी के लिए एक ही नुस्खा नहीं हो सकता।

2017 में बक्सर से फरक्का तक गंगा के हवाई सर्वेक्षण की पहल भी हुई थी। केंद्र की टीम में पूर्व केंद्रीय जल आयोग अध्यक्ष ए.बी. पांड्या और आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ शामिल थे। यह बताता है कि समस्या को लेकर तकनीकी अध्ययन की आवश्यकता सरकार पहले भी स्वीकार करती रही हैं। अब सवाल यह है कि उन अध्ययनों की सीख नई नीति के क्रियाचव्यन में कितनी दिखाई देगी।

फरक्का का प्रश्न भी इसी वैज्ञानिक संदर्भ में देखना होगा। बिहार लंबे समय से गंगा के प्रवाह और तलछट व्यवस्था पर फरक्का के प्रभाव की बात करता रहा है। लेकिन पूरी नदी की जटिलता को किसी एक बराज के खते में डाल देना समाधान नहीं है। प्रवाह, ढाल, नदी-तल, सहायक नदियों से आने वाली तलछट, तटों की स्थिति और मानव हस्तक्षेप मिलकर नदी का व्यवहार तय करते हैं। बिहार की नदियां इस जटिलता का जीवंत उदाहरण हैं। हिमालय से उतरने वाली कोसी, गंडक, बामती और दूसरी नदियां भारी मात्रा में तलछट लेकर मैदान में आती हैं। आईआईटी कानपुर के प्रो. राजीव सिन्हा के नदी-विज्ञान संबंधी अध्ययनों ने नदी की आकृति, प्रवाह और तलछट के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया है। नदी का तल स्थिर नहीं है और नदी की धारा भी स्थायी रेखा नहीं है।

यही कारण है कि गाद को केवल हटाए जाने वाले पदार्थ के रूप में देखना गलत होगा। लोअर कोसी में सतत गाद प्रबंधन पर हुए अध्ययनों में इसके संभावित उपयोग को संसाधन के रूप में देखने की संभावना सामने आई है। बिहार की नई नीति में निकाली गई गाद के उपयोग का प्रावधान इसी दिशा में है। लेकिन उपयोग से पहले उसकी गुणवत्ता, संरचना और संभावित प्रदूषण की जांच जरूरी है।

सुल्तानगंज के कवि सुधीर प्रोग्रामर का सुझाव है कि क्षेत्र से निकाली गई गंगा की गाद का इस्तेमाल प्रस्तावित हवाई अड्डा क्षेत्र में भराव के लिए किया जा सकता है।

चुनाव आयोग में विवाद से मतदाताओं के बीच भरोसे का संकट

भारतीय चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और बहाल करने, फार्म-6 में बदलाव और मतदाता डेटा के प्रबंधन जैसे मामलों पर सवाल उठाए हैं। दोनों आयुक्तों ने मतदाता डेटा और चुनावी सॉफ्टवेयर के केंद्रीकरण को लेकर भी चिंता जताई थी। सीमा खन्ना चुनाव आयोग में आईटी और डिजिटल सिस्टम की प्रमुख अधिकारी हैं। 22 जनवरी 2026 को चुनाव आयोग ने ईसीआईनेट लॉन्च किया गया था। चुनाव आयोग में विवाद ईसीआईनेट और ईआरओनेट के जरिए मतदाता सूची के प्रबंधन को लेकर है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने सवाल उठाया है कि सीमा खन्ना के नेतृत्व वाले आईटी विभाग ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले इलेक्ट्रॉल रजिस्ट्रेशन आफिसर्स (ईआरओएस) की पहुंच और उनके वैधानिक अधिकारों को सीमित कर दिया है। जिस तरह गोवा में ईआरओ वोटर लिस्ट सिस्टम में बदलाव नहीं कर सके। जबकि उनके पास इसकी वैधानिक ताकत थी। लेकिन केंद्र में बैठी सीमा खन्ना का विभाग इस काम को आसानी से कर रहा था। जबकि उनके पास वोटर लिस्ट सिस्टम में बदलाव या छेड़छाड़ का कोई वैधानिक अधिकार नहीं था। इस विवाद का सबसे अहम उदाहरण गोवा का सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में 97 मतदाताओं के मामलों की स्थानीय ईआरओ स्तर पर जांच हुई और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किए जाने के योग्य पाया गया। लेकिन संबंधित नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने में सॉफ्टवेयर और डेटाबेस एक्सेस से जुड़ी समस्या सामने आई। ईआरओ इसे मतदाता सूची सिस्टम में डाल ही नहीं पा रहे थे। गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर ने इस समस्या के समाधान और रोलबैक फैसलाली उपलब्ध कराने के लिए 11 से 17 फरवरी 2026 के बीच चुनाव आयोग को आठ बार ईमेल भेजा था। इस कम्प्युनिकेशन में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश भारती को संबोधित किया गया था और सीमा खन्ना को भी उसकी कॉपी भेजी गई थी। परन्तु केंद्रीय चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं किया गया। इस मामले में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सेक्रेटरी को भी पत्र लिखा था। दूसरी ओर 18 वर्ष के नए युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोڑने की हर साल होने वाली स्पेशल समरी रिवीजन(एसएसआर) प्रक्रिया 2024 के बाद से लंबित है। हाल के दिनों में निर्वाचन आयोग को लेकर दो स्तरों पर बहस तेज हुई है। पहला सवाल आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर और दूसरा मतदाता सूचियों का एसआईआर को लेकर है। इसके

साथ ही आयोग के भीतर निर्णयों पर मतभेद की खबरों ने भी संस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर चर्चा को बढ़ाया है।भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जो संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो एक बहुसदस्यीय संवैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता है।चुनाव कराने वाली संस्था पर उठते सवाल के कारण उसकी विश्वसनियता कमजोर हुई है। लोकतंत्र में चुनाव केवल मतपत्र या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव की पूरी व्यवस्था पर नागरिकों का भरोसा लोकतंत्र की वास्तविक ताकत है। दो चुनाव आयुक्तों द्वारा उनकी जानकारी के बिना लिए गए विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर संबंधी निर्णयों पर कई आपत्तियां दर्ज कराई थी।विगत कई वर्षों तक मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संसद द्वारा कोई अलग कानून नहीं बनाया था। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में कहा था कि जब तक संसद इस विषय में कानून नहीं बनाती, तब तक नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की समिति की सलाह पर होनी चाहिए। न्यायालय ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए महत्वपूर्ण माना था। इसके बाद संसद ने 2023 में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून बनाया। इस कानून में चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को



विचार उपयोगी हो सकता है, लेकिन नदी से गाद निकालने का औचित्य केवल इस आधार पर तय नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कहाँ होगा। गाद की मात्रा, गुणवत्ता, भराव की भू-तकनीकी स्थिरता, भूजल और जलनिकासी पर असर—इन सभी की वैज्ञानिक जांच जरूरी होगी। प्रगतिशील कृषि मंच के राष्ट्रीय संयोजक किशोर जायसवाल भी अंधाधुंध गाद निकासी के बजाय लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत बताते हैं। उनके अनुसार पहले उन हिस्सों की पहचान होनी चाहिए जहां गाद वास्तव में प्रवाह या जलनिकासी में बाधा है। फिर सुरक्षित मात्रा, समय, प्रवाह में संभावित बदलाव और कटाव के जोखिम का आकलन होना चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में जलवैज्ञानिक और जलगतिकीय मॉडलिंग इस निर्णय का आधार बन सकती है। एनआईटी पटना के प्रो. रामाकर झा जैसे नदी-विज्ञान विशेषज्ञों की भागीदारी इसलिए महत्वपूर्ण है कि नदी को केवल ऊपर से दिखाई देने वाली जलधारा के रूप में नहीं, बल्कि उसके तल, प्रवाह और तलछट की परस्पर क्रिया के रूप में समझा जाए।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण को लेकर बिहार में यह धारणा रही है कि पर्यावरणीय नियमों के कारण गाद निकासी बाधित होती है। लेकिन गाद निकासी और व्यावसायिक खनन को एक ही गतिविधि मानना भी उचित नहीं होगा। बड़े पैमाने पर नदी के तल में हस्तक्षेप के लिए तकनीकी और पर्यावरणीय आकलन जरूरी हैं। इसलिए बहस ‘किसने रोका’ से आगे बढ़कर ‘क्या वैज्ञानिक आधार था’ पर होनी चाहिए। भागलपुर क्षेत्र में यह सावधानी और महत्वपूर्ण है। यहां गांगेय डॉल्फिन का संवेदनशील आवास है। नदी की गहराई, प्रवाह और तलछट में बदलाव जलीय जीवों के आवास को प्रभावित कर सकता है। इसलिए संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़, नौवहन और निर्माण की जल्दती के साथ पारिस्थितिकी को भी बराबर महत्व देना होगा।

कम पानी की समस्या का भी गाद से सीधा और सार्वभौमिक संबंध नहीं है। नदी को गहरा कर देने से पानी पैदा नहीं होता। जल की उपलब्धता वर्षा, जलग्रहण

क्षेत्र, भूजल, सहायक नदियों, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक प्रवाह से जुड़ी है। गाद निकासी कुछ स्थानों पर जलनिकासी या प्रवाह की बाधा दूर कर सकती है, लेकिन उसे जल-संकट का स्थायी इलाज नहीं माना जा सकता।

इसलिए बिहार की नई नीति को केवल गाद निकालने की नीति नहीं बनने देना चाहिए। इसे नदी और जलग्रहण क्षेत्र के पुनर्स्थापन की व्यापक नीति बनाना होगा। इसके लिए नदी-खंडवार नियमित तलमिति सर्वेक्षण, वार्षिक तलछट बजट, बाढ़ और कम प्रवाह दोनों स्थितियों की मॉडलिंग, गाद की गुणवत्ता की जांच और निकाली गई सामग्री के सुरक्षित उपयोग की व्यवस्था जरूरी है। और सबसे जरूरी है पारदर्शिता। जनता को पता होना चाहिए कि कहाँ से कितनी गाद निकली, क्यों निकली, किस अध्ययन के आधार पर निकली और अगले मानसून में उसका परिणाम क्या रहा। नदी के नाम पर होने वाले हर बड़े हस्तक्षेप का सार्वजनिक लेखा-जोखा होना चाहिए।

मुंगेर के कल्याणपुर की सुमन साहा नदी को केवल जलधारा नहीं मानतीं। उनके अनुसार, च्चन्दियां हमारी पृथ्वी की धर्मनियों के समान हैं।ज नदी की अखिरलता और निर्मलता के लिए तटों के जंगल, मिट्टी, वनस्पति, जैव-विविधता और जलीय जीवों का संरक्षण जरूरी है। वह प्लास्टिक, विषैले रसायनों, औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू कचरे से नदियों को बचाने के लिए सामूहिक और सहभागी प्रयास की जरूरत पर जोर देती हैं।

नदी की यही समग्र समझ आज गाद प्रबंधन की बहस को चाहिए।

क्योंकि नदी की सफाई और नदी का इलाज एक बात नहीं है।

नदी के तल से मशीन चलाकर गाद निकाल देना दिखाई देता है, लेकिन उससे नदी का संतुलन बना या बिगड़—यह तुरंत दिखाई नहीं देता। बाढ़ के बाद नदी की नई धारा, कटे हुए किनारे, बदली हुई गहराई, सूखते आर्द्र क्षेत्र और जलीय जीवों के बदलते आवास ही असली परिणाम बताते हैं।

इसलिए बिहार को अब यह पूछना बंद करना होगा कि कितनी गाद निकालनी है? और पूछना होगा—कहां गाद हटाना जरूरी है, क्यों जरूरी है और हटाने के बाद नदी कैसी होगी? यही फर्क नदी से छेड़छाड़ और नदी प्रबंधन के बीच है।गाद निकालना आसान है, नदी को समझना कठिन।नई नीति की असली परीक्षा यह नहीं होगी कि कितने घनमीटर गाद नदी से बाहर आई। परीक्षा यह होगी कि अगले मानसून में नदी का प्रवाह कितना स्वाभाविक रहा, बाढ़ का पानी कितनी सहजता से निकला, कटाव कहाँ बढ़ा या घटा, जलीय जीवन कितना सुरक्षित रहा और क्या नदी का तलछट-संतुलन कायम रहा।

नदी को बचाने के लिए उसकी गाद से लड़ना नहीं, उसकी गाद की भाषा समझना जरूरी है।

क्योंकि नदी से गाद निकालकर नदी नहीं बचती। नदी तब बचती है जब उसका प्रवाह, तल, तट, जलग्रहण क्षेत्र, जंगल, आर्द्रभूमि और जीवन—सब साथ बचें। और यही समझ बिहार की गाद नीति को नदी नीति में बदल सकती है।

(लेखक- कुमार कृष्णन)

कर दिया कि सूची सुधार और मताधिकार संरक्षण के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। इसलिए किसी भी मतदाता सूची पुनरीक्षण की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितने अपात्र नाम हटाए गए। यह भी देखना होगा कि कितने पात्र नागरिकों के नाम सुरक्षित रहे, कितने नाम हटाए गए लोगों को समय पर सूचना मिली और उन्हें अपना पक्ष रखने तथा अपील करने का वास्तविक अवसर मिला। दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में आयोग के कुछ निर्णयों, विशेष रूप से एसआईआर से जुड़े मामलों पर कई बार आपत्तियां दर्ज की थी। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमित विचार-विमर्श और निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हो सकती है। महत्वपूर्ण यह है कि अंतिम निर्णय किस कानूनी आधार पर लिया गया और संबंधित सदस्यों को पर्याप्त जानकारी उपलब्ध थी या नहीं? वर्तमान विवाद के बाद चुनाव आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय और प्रशासनिक निर्देश पूर्ण कानूनी स्वीकृति के साथ तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत निर्धारित वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए जारी किया गया है।लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि किसी संस्था की विश्वसनियता केवल राजनीतिक बयानबाजी के आधार पर तय न हो।बल्कि निर्वाचन आयोग की वास्तविक मजबूती इस बात में होगी कि वह अपने निर्णयों का स्पष्ट कानूनी आधार बताए, राजनीतिक दलों और नागरिकों की आपत्तियों को सुने तथा जहां संभव हो, निर्णय प्रक्रिया से संबंधित पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक करे।

लोकतंत्र में चुनाव कराने वाली संस्था की निष्पक्षता का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की राजनीतिक वैधता दांव पर होती है। यदि किसी चुनाव प्रक्रिया पर समाज के एक बड़े हिस्से का भरोसा कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणाम संवैधानिक रूप से वैध होने के बावजूद उनकी सार्वजनिक स्वीकार्यता पर बहस शुरू हो सकती है। इसलिए निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता किसी एक दल की सुविधा या किसी दूसरे दल की शिकायत का विषय नहीं होना चाहिए। यह प्रत्येक मतदाता का प्रश्न है।क्योंकि लोकतंत्र की विश्वसनियता केवल इस बात से तय नहीं होती कि चुनाव समय पर हुआ या परिणाम घोषित हो गया। उसकी बुनियाद इस विश्वास पर टिकी होती है कि हर पात्र नागरिक का वोट दर्ज हो, हर वोट का समान मूल्य हो और चुनाव कराने वाली संस्था किसी राजनीतिक सत्ता से ऊपर संविधान के प्रति जवाबदेह हो। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

(लेखक-राज कुमार सिन्हा)

मौसम का डबल अटैक: पहाड़ों पर बर्फबारी, राजस्थान में ओले, यूपी में बाढ़ से हहकार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट ली है। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और बारिश से ठंड बढ़ गई है, जबकि राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फंसे ट्रेकर्स और पर्वतारोहियों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। वहीं उत्तर प्रदेश में बारिश और बाढ़ ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। प्रदेश की आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और 17 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन दिनों से जारी बारिश और ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मनाली की ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी हुई है। चंबा का अधिकतम तापमान सामान्य से 10.7 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया। प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान भी सामान्य से 6.2 डिग्री कम दर्ज किया गया है। शिमला समेत कई इलाकों में ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। शिमला जिले में जंगलिस पुल के पास लैंडस्लाइड की भी सूचना है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में ऊंचाई वाले इलाकों में फंसे पर्वतारोहियों, ट्रेकर्स और सपोर्ट स्टाफ को सुरक्षित निकालने का अभियान चल रहा है। 28 सितंबर तक 136 लोगों में से 85 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया था, जबकि 51 लोग अभी फंसे हुए



थे। हालांकि मंगलवार को मौसम में सुधार के संकेत मिले हैं। उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग समेत पांच जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। नेपाल से पानी छोड़े जाने के बाद कुशीनगर में गंडक नदी का जलस्तर बढ़ गया है। दो गांवों के करीब 1,400 परिवार प्रभावित हुए हैं, जबकि लगभग 600 परिवारों ने तटबंध पर शरण ली है। राजस्थान में जयपुर, बीकानेर और चूरू में बारिश के साथ ओले गिरे। तेज आंधी और बारिश के कारण कई जगह दिन में ही अंधेरा छा गया। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में अगले चार दिनों तक बारिश की गतिविधियां कम रहने और कई हिस्सों में तेज धूप निकलने का अनुमान है।



गंडक में बाढ़, चंपारण तटबंध 150 फीट टूटा, बगहा शहर जलमग्न

गंडक नदी में आए उफान और पानी के अत्यधिक दबाव के चलते उत्तर बिहार के चार प्रमुख जिलों में औषण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से इस साल का सर्वाधिक रिकॉर्ड 5.43 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद पश्चिमी चंपारण जिले के छैरटावा के समीप चंपारण तटबंध अचानक टूट गया। इस हादसे के बाद बगहा शहर समेत आसपास के निलेले इलाकों में रातोरात पानी भर गया। बैतिया, मोतिहारी, छाप्रा और गोपालगंज में फसलें और मकान जलमग्न हो गए हैं, जिससे हजारों लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने पर मजबूर हैं।मोनवार रात करीब 9.30 बजे रावल-चखनी मुख्य मार्ग पर छैरटावा के पास चंपारण तटबंध लगभग 150 फीट टूट गया। तटबंध टूटते ही गंडक का तेज पानी स्रेह और चखनी, राजावटिया, सिंगरौी,पिपरिया, चंद्रपुर, रावल एवं पतिलार पंचायतों के दर्जनों गांवों की तरफ तेजी से फैलने लगा। इससे रावल-चखनी मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया और गााीण अपना सामान समेटकर तटबंध तथा अन्य ऊंचे स्थलों की ओर भागने लगे। गौरतलब है कि बीते वर्ष भी टीक इसी जगह पर तटबंध टूटा था।

इमरान की रिहाई पर बेटे का खुलासा सरकार ने दिया डील का ऑफर?

इस्लामाबाद (इंएमएस) । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। उनके बेटे कासिम खान ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वर्तमान सरकार ने उनके पिता का केस निपटाने और जेल से रिहा करने का ऑफर दिया होगा। कासिम ने जोर देकर कहा कि वह अपने पिता को दोबारा जेल में देखने की कल्पना भी नहीं कर सकते और उन्हें बाहर निकालने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार ने वाकई कोई डील ऑफर की है या नहीं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने इस मामले पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कासिम खान, जो सात महीने से अधिक समय से अपने पिता से संपर्क में नहीं हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें जमीन पर क्या हो रहा है, इसकी पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मेरी बात मानें तो मैं चाहूंगा कि पिता यह डील स्वीकार कर लें। बावजूद इसके, कासिम ने इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि उनके पिता इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा कि जेल में कई अन्य राजनीतिक कैदी हैं, जिनमें उनके परिवार के कुछ सदस्य भी शामिल हैं। उन्होंने अपने पिता को बहुत मजबूत इरादे वाला इंसान बताते हुए कहा कि उनके लिए ऐसी स्थिति में हां कहना मुश्किल होगा जब अन्य लोग भी जेल में हैं। कासिम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें अपने पिता से बात करने की अनुमति नहीं मिली है।हाल के महीनों में इमरान खान की सेहत खराब बताई जा रही है, यहां तक कि उनकी एक आंख की रोशनी भी काफी कम हो गई है।

कान्हा में पर्यटकों की चहेती ‘प्रिंसेस’ की मौत, आपसी संघर्ष की आशंका

मंडला, यशभारत। कान्हा टाइगर रिजर्व के जंगल में करीब 11 माह की मादा बाघिन शावक की मौत से वन्यजीव प्रेमियों में शोक है। शावक का शव सोमवार सुबह गरत के दौरान वनकर्मियों को नकीचाटी बीट के कक्ष क्रमांक 138 में मिला। वनकर्मियों को मौके पर बाघ के पदचिन्ह और रक्त के निशान दिखाई दिए थे। इसके बाद आसपास के क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें बाघिन शावक का शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की घेराबंदी कराई गई।

डॉंग स्ववायड ने भी की जांच

घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने डॉंग स्कायड की मदद से आसपास के क्षेत्र की जांच कराई। वरिष्ठ वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल और पशु चिकित्सक डॉ. ललित चौरसिया की टीम ने शव का परीक्षण किया। जांच में शावक की उम्र करीब 11 माह और लिंग मादा पाया गया। शावक के शरीर पर दूधरे वन्यजीव के साथ संघर्ष के निशान मिले हैं। इनहीं चोटों के आधार पर पशु चिकित्सकों ने प्राथमिक तौर पर आपसी संघर्ष को मौत की संभावित वजह माना है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम के दौरान फॉरेंसिक जांच के लिए नमूने सुरक्षित किए गए हैं।



फॉरेंसिक रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह

वन विभाग उपलब्ध साक्ष्यों और फॉरेंसिक जांच के आधार पर मौत के कारणों की पड़ताल कर रहा है। फिलहाल आपसी संघर्ष को संभावित कारण माना गया है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत घटनास्थल का निरीक्षण और दस्तावेजीकरण पूरा करने के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मानक प्रोटोकॉल के अनुसार मृत शावक का अंतिम संस्कार किया गया।



स्पेसएक्स का ताकतवर रॉकेट स्टारशिप ऑर्बिट में पहुंचा, 26 सैटेलाइट भी लॉन्च

वॉशिंगटन (इंएमएस) । स्पेसएक्स के अगली पीढ़ी के रॉकेट स्टारशिप ने सोमवार को पहली बार पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचने में सफलता हासिल कर इतिहास रच दिया। हालांकि, उड़ान के दौरान एक इंजन अचानक बंद हो गया था, जिससे मिशन को तय समय से काफी पहले खत्म करना पड़ा। इसके बावजूद, स्टारशिप ने 26 नई पीढ़ी के स्टारलिनक सैटेलाइट कक्षा में सफलतापूर्वक तैनात किए। इसके बाद मिशन को तय समय से करीब 7 घंटे पहले खत्म कर दिया गया और स्टारशिप ने प्रशान महासागर में नियंत्रित तरीके से उतरते हुए समुद्र में तेज आग के साथ टचडाउन किया। यह उड़ान टेक्सास के स्टारबेस परिसर से हुई थी और 2023 के बाद स्टारशिप की 14वीं उड़ान थी।यह मिशन मूल रूप से 10 घंटे चलने वाला था, लेकिन इंजन में आई दिक्कत के बाद इसे लगभग तीन घंटे में ही खत्म कर दिया गया। स्टारशिप का ऊपरी हिस्सा

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद उसके तीन मुख्य इंजनों में से एक समय से पहले बंद हो गया था। शुरुआत में कंपनी के प्रवक्ता ने इस स्थिति में यान को कक्षा तक भेजने के फैसले पर संदेह बताया था, लेकिन इंजीनियरों से मिले अपडेट के बाद कुछ ही मिनटों में उन्होंने बताया कि स्टारशिप अभी भी इंजन फायरिंग के जरिए कक्षा तक पहुंच सकता है। इसके बाद यान ने सफलतापूर्वक यह प्रक्रिया पूरी की। करीब 269 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्टारशिप ने एक-एक करके 26 नई पीढ़ी के स्टारलिनक सैटेलाइट छोड़े। एलन मस्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पुष्टि की कि सभी 26 सैटेलाइट सफलतापूर्वक तैनात हो गए और सामान्य तरीके से काम कर रहे हैं। स्टारशिप करीब 40 मॉडल ऊंचा यान है, जिसमें सुपर हेवी बूस्टर के ऊपर मुख्य स्टारशिप यान लगा होता है। उड़ान के दौरान सुपर हेवी बूस्टर ने स्टारशिप को अंतरिक्ष तक पहुंचाया।

सरपंच के पति को 4 हजार रुपये की रिश्तत लेते EOW ने पकड़ा

मंदसौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) उज्जैन की टीम ने रिश्ततखोरी के मामले में दलौदा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि अनिल कैथवास को 4 हजार रुपये लेते रगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दलौदा निवासी विक्रम सिंह को बैंक से लोन लेना था। लोन प्रक्रिया के लिए उन्हें ग्राम पंचायत से एनओसी की जरूरत थी। आरोप है कि एनओसी देने के एवज में सरपंच प्रतिनिधि अनिल कैथवास ने उनसे 4 हजार रुपये की रिश्तत मांगी। रिश्तत देने के इच्छुक नहीं होने पर विक्रम सिंह ने इसकी शिकायत EOW उज्जैन से की। शिकायत के सत्यापन के बाद टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई।

कृषि उपज मंडी के पास पकड़ा

तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता 4 हजार रुपये लेकर दलौदा की कृषि उपज मंडी के पास पहुंचा। जैसे ही अनिल कैथवास ने उससे रिश्तत की रकम ली, पहले से मौजूद EOW की टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद टीम ने दलौदा ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचकर दस्तावेजों, सरकारी रिकॉर्ड और वित्तीय लेन-देन की जांच शुरू की। अनिल कैथवास की पत्नी दुर्गा कैथवास दलौदा ग्राम पंचायत की सरपंच हैं। आरोप है कि पंचायत के कामकाज में अनिल कैथवास सरपंच प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय थे।



केजरीवाल का दावा- 12 सालों में सबसे ज्यादा मोदी के भाई ने कमाया

नई दिल्ली (इंएमएस) । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी भाई-भतीजावाद के सबसे बड़े उदाहरण हैं और उनकी सरकार ने पिछले 12 सालों में देश को पूरी तरह से लूट लिया है। केजरीवाल ने कहा कि जब मोदी सत्ता में आए थे, तब लोगों को एक फेश चेहरा और फेश एनर्जी की उम्मीद थी। लोगों को लगा था कि वह कुछ करेंगे, देश बदल देंगे और भाई-भतीजावाद खत्म कर देंगे, क्योंकि उनके ना आगे कोई, ना पीछे कोई था। हालांकि, केजरीवाल ने दावा किया कि आज सबसे ज्यादा भाई-भतीजावाद का उदाहरण प्रधानमंत्री मोदी खुद हैं। उन्होंने कहा कि मोदी का एक भाई है जिसका नाम अडानी है, जिसने पिछले 12 साल में सबसे ज्यादा पैसा कमाया

है। इसी तरह, उनका एक भतीजा जय शाह है, जिसने इस अवधि में सबसे ज्यादा तरक्की की है। केजरीवाल के अनुसार, यह इतिहास में भाई-भतीजावाद की सबसे बड़ी मिसाल है। आप सुप्रीमो ने सवाल उठाया कि इन 12 सालों में लोगों को क्या मिला? कुछ नहीं मिला। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाया, खासकर तब जब पैसे या अन्य कारणों से पार्टियां बदलने वाले विधायकों को चाणक्य कहा जाता है। केजरीवाल ने चाणक्य शब्द के दुरुपयोग पर नाराजगी जताई और कहा कि असली चाणक्य राष्ट्रभक्त थे। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में 120 विधायक खरीदे-बेचे गए हैं। केजरीवाल ने इसे गद्दारी करार देते हुए आरोप लगाया कि सरकारें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और एंएसों के दम पर तोड़ी जा रही हैं।



कांग्रेस ने ममता को दिया झटका एकसाथ 100 नेता तोड़े

कोलकाता (इंएमएस) । पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक और बड़ा झटका लगा है। 100 से अधिक टीएमसी नेता और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। यह राजनीतिक घटनाक्रम ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुआ है, जब राज्य में दो बड़ी सीटों पर उपचुनाव होने हैं। गौरतलब है कि बनर्जी गुट पहले ही पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिह्न जोड़ा फूल चुका है, क्योंकि भारत निर्वाचन आयोग ने इन्हें फ्रीज कर दिया है, जिससे पार्टी की पहचान पर गहरा संकट मंडरा रहा है।मालदा के महीष बाथानी क्षेत्र में रविवार को तृणमूल कांग्रेस के कई सदस्यों ने कांग्रेस में अपनी आस्था जताई। इन्हें 13 पंचायत सदस्य, एक पंचायत समिति सदस्य, पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष, ब्लॉक उपाध्यक्ष और 100 से अधिक सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हैं। इस बड़े दल-बदल को लेकर बलरामपुर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक बी हल्दर जैसे कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे। जिस महीष बाथानी क्षेत्र में यह टूट हुई है, उसे कभी कांग्रेस का एक मजबूत गढ़ माना जाता था। हालांकि, ममता बनर्जी का राजनीतिक कद बढ़ने के बाद यहां की राजनीतिक स्थिति में बदलाव आया था। अब इस दल-बदल के जरिए कांग्रेस अपनी पुरानी पकड़ को दोबारा मजबूत करने की उम्मीद कर रही है।



विराट कोहली का नया अवतार कैफ बोले, खून के आंसू पिए, अब कोई छू नहीं सकता



नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने हाल ही में सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली के नए अवतार की जमकर सराहना की है, जिसके बाद कोहली ने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में एक तूफानी शतक जड़ा। कैफ ने कहा कि पिछले साल कोहली को संन्यास लेने की सलाह देने वाले लोग अब उन्हें छूने की हिम्मत भी नहीं कर सकते। 37 वर्षीय कोहली ने रविवार को 88 गेंदों में नाबाद 139 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे। यह पहली बार था जब उन्होंने एक वनडे पारी में 9 छक्के लगाए। उनकी इस विस्फोटक पारी को बदौलत भारत ने 296 रनों का लक्ष्य 41.4 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया।

कैफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में उस समय को याद किया जब अक्टूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लगातार दो वनडे मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। उस वक्त कई लोगों ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह तक दे डाली थी। हालांकि, कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में तीसरे वनडे में नाबाद 74 रन बनाकर आलोचकों का मुह बंद कर दिया था। कैफ ने बताया कि उस घटना के बाद से कोहली ने कुल 11 वनडे पारियां

खेली हैं और 900 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें चार शानदार शतक शामिल हैं। कैफ ने टिप्पणी की कि कोहली अब एक बिल्कुल अलग अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया। उनकी वर्तमान आक्रामक शैली इस नए अवतार का प्रमाण है।

पूर्व बल्लेबाज ने कोहली के उतार-चढ़ाव भरे 18 साल के करियर पर प्रकाश डालते हुए कहा, कोहली ने खून के आंसू भी पिए हैं। कैफ ने जोर देकर कहा कि जब कोहली का बल्ल चलाता है, जो उनका शस्त्र है, तो किसी की मजाल नहीं कि उन्हें छू पाए। उन्होंने कोहली की दृढ़ता की सराहना की, जो अब केवल वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्योंकि वे टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। कैफ ने विराट कोहली के आईपीएल करियर का भी जिक्र किया, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार दो बार चैंपियन बनकर अपना दबदबा कायम किया और कोहली आईपीएल 2026 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

कैफ ने कहा कि कोहली युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। उन्होंने युवाओं को कोहली से फिटनेस, भूख, तपस्या, कड़ी मेहनत और लगातार अपने मुकाम को बनाए रखने की सीख लेने की सलाह दी।

वर्ल्ड कप 2027 को लेकर आई बड़ी खबर, एक अक्टूबर को केपटाउन में होगा शेड्यूल का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ODI क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट को लेकर अहम तारीख सामने आ गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी ICC और क्रिकेट साउथ अफ्रीका यानी CSA जल्द ह्छठे वर्ल्ड कप 2027 के शेड्यूल का ऐलान करेंगे। टूर्नामेंट के शेड्यूल के ऐलान की तारीख और शहर के नाम का खुलासा हो गया है। बता दें, वर्ल्ड कप 2027 का अगले साल आयोजन होना है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, ICC और CSA मिलकर गुरुवार यानी 1

अक्टूबर को केपटाउन में 2027 ODI वर्ल्ड कप के शेड्यूल का ऐलान करेंगे। यह कार्यक्रम टूर्नामेंट के शुरू होने से ठीक एक साल पहले होगा। इसी मौके पर वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए बलेट प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी, जिसके तहत फैंस टिकट के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। 2027 का ODI वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को होने की उम्मीद है,



जबकि फाइनल 21 नवंबर को खेला जाएगा। यानी क्रिकेट फैंस को करीब डेढ़ महीने तक ODI क्रिकेट का रोमांच देखने को

मिलेगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमों हिस्सा लेंगी। इनमें से 10 टीमों की तस्वीर 30 सितंबर तक साफ हो जाएगी। मेजबान साउथ अफ्रीका

और जिम्बाब्वे को सीधे जगह मिलेगी, जबकि बाकी आठ टीमों ICC की ODI रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करेंगी। मौजूदा स्थिति में भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश रैंकिंग के जरिए जगह बनाने की स्थिति में हैं।

4 टीमों क्वालीफाईंग टूर्नामेंट के जरिए करेंगी एंट्री–साउथ अफ्रीका के मेजबान होने की वजह से रैंकिंग में 9वें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश को भी सीधे क्वालीफिकेशन मिल जाएगा। वहीं, वेस्टइंडीज को क्वालीफायर के रास्ते से वर्ल्ड कप में जगह बनानी होगी। चार अन्य टीमों क्वालीफाईंग टूर्नामेंट के जरिए मुख्य प्रतियोगिता में पहुंचेंगी। शेड्यूल जारी होने के दौरान इन टीमों को फिलहाल क्वालीफायर 1, 2, 3 और 4 के नाम से शामिल किया जाएगा। ICC 1 अक्टूबर को वर्ल्ड कप टिकटों के लिए बलेट प्रक्रिया भी

शुरू करेगा। हालांकि, 1 अक्टूबर से टिकटों की सीधे खरीदारी शुरू नहीं होगी। फैंस को पहले टिकट बलेट के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

पीएम मोदी ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। एथलेटिक्स में कई भारतीय खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण पदक जीते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। पुरुषों की लॉन्ग जंप स्पर्धा में मुरली श्रीशंकर ने सिल्वर मेडल जीता। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उनकी शानदार छलांग ने उन्हें पोंडियम तक पहुंचाया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी श्रीशंकर को बधाई देते हुए उनके कौशल, मेहनत और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में भारत ने एक साथ दो पदक हासिल किए। यशवीर सिंह ने सिल्वर मेडल, जबकि रोहित यादव ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। यशवीर सिंह ने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर



मेडल हासिल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे भारतीय एथलेटिक्स के लिए शानदार परिणाम बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एशियन गेम्स के पोंडियम पर दो भारतीय जैवलिन श्रोअर का होना देश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भारत के इस 'खबल पोंडियम' प्रदर्शन की सराहना की। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल



चौधरी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि उनका प्रदर्शन उभरते हुए एथलीट्स के लिए प्रेरणादायक है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी मुरली श्रीशंकर को सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार शानदार प्रदर्शन से एशियन गेम्स में देश का पदक अभियान मजबूत हुआ है। इन उपलब्धियों से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

रंग संसार

मैं जैकी दादा के साथ काम करने को लेकर काफी नर्वस थीं: करिश्मा कपूर

मुंबई (यशभारत)। अपने फिल्मी करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने मशहूर एक्टर जैकी श्राॅफ के साथ काम करने का एक दिलचस्प अनुभव साझा किया है। उन्होंने जैकी श्राॅफ के साथ 1992 में रिलीज हुई फिल्म पुलिस ऑफिसर में काम किया था। करिश्मा ने बताया कि यह उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक थी, और उस वक्त वह महज 17 साल की थीं, जिसके चलते एक बड़े स्टार के साथ काम करने को लेकर वह काफी नर्वस थीं। यह खुलासा तब हुआ जब जैकी श्राॅफ इंडियाज बेस्ट डॉंसर सीजन 5 में बतौर गेस्ट शामिल हुए और शो की जज करिश्मा कपूर ने उनके साथ काम के अनुभव को याद किया। करिश्मा ने जैकी श्राॅफ से मुखातिब होते हुए कहा, मुझे नहीं पता जग्गू दादा, आपको याद है या नहीं, लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि मैंने आपके साथ एक फिल्म की थी, जिसका नाम पुलिस ऑफिसर था। यह मेरी शुरुआती फिल्मों में से एक थी। बहुत पहले की बात है, तब मैं सिर्फ 17 साल की थीं। यह प्रेम कैदी के बाद की बात है।

करिश्मा ने आगे उस फिल्म के एक गाने का जिक्र किया, जिसने उन्हें काफी घबरा दिया था। उन्होंने कहा, उसमें एक गाना था देखो ये लड़की करंट मारती हैइय बहुत बड़ा गाना था, जिसमें काफी सारे डॉंसर्स थे। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने इतने सारे डॉंसर्स और किसी बड़े स्टार के साथ काम किया था। इसलिए मैं काफी डरी हुई और नर्वस भी थी। उस उम्र में एक बड़े सेट पर इतने सारे लोगों के साथ काम करना किसी भी नए कलाकार के लिए स्वाभाविक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। करिश्मा ने जैकी श्राॅफ के साथ काम करने को अपने लिए सम्मान और खुशी की बात बताया। उन्होंने कहा, आपके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उनकी इन बातों से पता चलता है कि जैकी श्राॅफ ने उस युवा अभिनेत्री के साथ किस तरह का सहयोगपूर्ण माहौल बनाया होगा। वहीं जैकी श्राॅफ ने भी करिश्मा कपूर की जमकर तारीफ की।

उन्होंने करिश्मा को एक शानदार एक्ट्रेस बताते हुए कहा कि वह एक मल्टीटैलेंटेड कलाकार हैं और कुछ भी कर सकती हैं। जैकी श्राॅफ ने कहा, एक शानदार और प्यारी महिला के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात है।

हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिलीज

मुंबई (यशभारत)। ओटीटी शो चुंबक में अपने कॉमेडी रोल से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अब एक्ट्रेस ने गाने के बारे में प्रतिभाशाली एक्ट्रेस हेली शाह एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिलीज हो गया है, जिसे एक्सपीरियंस काफी एनर्जी से सिल्वेशन से पहले जारी किया गया है। गलगोटो गाने में हेली शाह और देवर्षि शाह की जोड़ी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती नजर आ रही है। इस गाने को मोनाली ठाकुर, पार्थ ओझा और सुहनि अभ्यंकर जैसे लोकप्रिय गायकों ने अपनी आवाज दी है, जिससे इसमें एक अलग ही ऊर्जा का संचार हुआ है। गलगोटो को लेकर

हेली शाह भी बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। एक्ट्रेस ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, इसे सुनते ही किसी का भी उठकर डॉंस करने का मन करने लगता है। इस गाने की शूटिंग का पूरा एक्सपीरियंस काफी एनर्जी से भरा हुआ था। मैं चाहती हूँ कि लोग इस गलगोटो गाने में हेली शाह और सेलिब्रेट करें और इसे खूब एंजॉय करें। हेली ने आगे बताया कि गाने का म्यूजिक वीडियो भी पूरी तरह से फेस्टिव फील देता है। इसमें तेज बीट्स, एनर्जेटिक म्यूजिक और कलरफुल विजुअल ट्रीटमेंट का खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है।



रिति तिवारी के पास रेंज रोवर से लेकर बड़े-बड़े ब्रांड की गाड़ियां हैं: एकम बावा

मुंबई (यशभारत)। आजकल बिग बॉस-20 में भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी की बेटी रिति तिवारी अपनी साथी प्रतिभागियों के साथ बहस के दौरान आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल करने एवं अन्य बयानों के कारण तीखी आलोचना का सामना कर रही हैं। रिति की मां रानी तिवारी के दूसरे पति और पंजाबी गायक एकम बावा ने उनके इन बयानों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। इंस्टाग्राम पर एकम बावा ने एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि वे रिति को बहुत करीब से जानते हैं और उनके दावों में सच्चाई नहीं है। एकम बावा ने रिति के उस बयान पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें हर महीने सिर्फ 25,000 रुपये पॉकेट मनी मिलती है। एकम ने अपनी बात को पुष्टा करते हुए कहा, मैं 2020 से लेकर 2025 तक रिति तिवारी के घर पर रहता था। रिति की मां और मैं 2020 से लेकर 2022 तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे, फिर 2022 में हमारी शादी हो गई। इस व्यक्तिगत जुड़ाव के आधार पर उन्होंने रिति की जीवनशैली का विस्तृत खुलासा किया। वीडियो में एकम बावा कहते हैं,



रिति तिवारी का मैं, आप सभी को सच बताता हूँ कि उनके पास 4 से 5 लाख रुपये तक के हैंडबैग हैं, रेंज रोवर से लेकर बड़े-बड़े ब्रांड की गाड़ियां



अपने म्यूजिक वीडियोज को लेकर चर्चा में अविका गौर

मुंबई (यशभारत)। टीवी एक्ट्रेस अविका गौर इन दिनों अपने म्यूजिक वीडियोज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बालिका वधू जैसे सुपरहिट सीरियल से घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका हाल में दो अलग-अलग गानों बुखार और जालिमा में नजर आई हैं। इस बारे में अविका का कहना है कि म्यूजिक वीडियोज उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार, लुक और इमोशंस एक्सप्लोर करने की असीमित आजादी देते हैं, जो उन्हें एक कलाकार के रूप में संतुष्टि प्रदान करती है। बुखार एक पंजाबी गाना है, जिसे विकी संधू ने अपनी आवाज दी है और उन्होंने ही इसके लिरिक्स भी लिखे हैं। इस गाने का म्यूजिक मिक्स सिंह ने दिया है। बुखार के म्यूजिक वीडियो में अविका का स्टाइलिश और मॉडर्न अवतार देखने को मिला, जिसने उनके फैंस को खूब पसंद आया। वहीं, दूसरा गाना जालिमा में अविका पंजाबी सिंगर, कंफोजर और लिरिसिस्ट कुलविंदर बिह्ल के साथ नजर आईं। पंजाब के खूबसूरत लोकेशन पर शूट किए गए इस गाने में दोनों की जोड़ी की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब लुभा रही है। जालिमा गाना 22 सितंबर को रिलीज हुआ था और तब से इसे लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है। अविका ने बात करते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, जब आप जिस चीज पर काम करते हैं, वह लोगों से जुड़ने लगती है तो बहुत अच्छा महसूस होता है। बुखार और जालिमा एक-दूसरे से काफी अलग हैं और यही चीज इस फेज को मेरे लिए और एक्साइटिंग बनाती है।

हैं। इन गाड़ियों में तो डीजल ही 2 से लेकर 3 हजार तक का पड़ता है। इसके साथ ही, इनकी स्पोर्ट्स कंपनी भी है, जिसका टर्नओवर बहुत कमाल का होता है और कई क्रिकेटर्स उससे जुड़े हैं, तो उसका रुपया कहां जाएगा और फिर मुंबई में कई प्लैटस्ट है। एकम बावा ने रिति तिवारी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे लोगों को झूठ बोलना बंद करें। उन्होंने बिग बॉस में उनके व्यवहार पर भी टिप्पणी की और कहा, रिति तिवारी लोगों को पाल बनाना बंद कीजिए और बिग बॉस में जाकर लोगों को गालिया भी न दें। गायक ने रिति तिवारी की मां रानी के बारे में भी कुछ गंभीर बातें कहीं। उन्होंने कहा, रिति तिवारी की मां के बारे में बोलने के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उन्होंने मेरे साथ जो किया है, वैसा भगवान किसी के साथ न करें। एकम बावा ने अपनी सार्वजनिक छवि पर भी बात की और बताया, मैं सोशल मीडिया पर लाइव नहीं आता हूँ और न ही इतनी वीडियो बनाता हूँ, चाहें तो हमारे दर्शक मेरी प्रोफाइल देख सकते हैं। हालांकि, कभी-कभी बनाकर डाल देता हूँ। मैं बस काम से मतलब रखता हूँ।

